an>

Title: Need to include 'Ghatowar' caste in the list of Scheduled Tribes.

श्री रवीन्द्र कुमार पाण्डेय (गिरिडीह) : महोदय, सर्वप्रथम देवघर की जो घटना घटी है, मृत आत्माओं की शांति के लिए मैं हृदय से बहुत दुखी हूं और माननीय सदस्य, श्री निशिकान्त दुबे जी ने जो विषय सदन में रखा है, मैं उससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

घटवार जाति मूल रूप से झारखंड, बिहार तथा पश्चिम बंगाल में रहती है, जिसका अति प्राचीन इतिहास है और पूर्व से ही इनकी आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्थिति के अनुसार छोटा नागपुर में सर्वे सैटलमैन्ट ऑफिसर और कालान्तर में बिहार के महामहिम राज्यपाल ने हजारीबाग जिला के अंतिम सर्वे सैटलमैन्ट रिपोर्ट (1908-15) में आरंभिक ब्रिटिशकाल के प्रशासक कैप्टन ब्राउन (1788) का समर्थन किया है। लगभग एक शताब्दी पूर्व भी घटवारों की आदिम जाति तथा इस क्षेत्र के (झारखंड) के प्राचीनतम वासियों के वंशज माना गया। उक्त अंतिम सर्वे सैटलमैन्ट रिपोर्ट के पश्चात आज तक इनके संबंध में कोई नवीन सर्वे नहीं हुआ। 12 अक्टूबर, 1938 को बिहार के गवर्नर की विज्ञप्ति के द्वारा घटवार को आदिमजाति (सब-ओरिजिनल कास्ट) में रखा गया और विधिक अभिरक्षा प्रदान की गई। परंतु अनुसूचित जनजाति सूची (संशोधन) आदेश बाद में अधिनियम 1956 में घटवार जाति को पिछड़ी जाति एनेक्सर 2 के अंतर्गत शामिल करने से इनकी स्थिति दयनीय होने लगी। 1989 में एक सर्वेक्षण में स्पष्ट किया गया है कि घटवार जाति 93 प्रतिशत अशिक्षित है, जो अन्न के विवश है।

अतः सरकार उपर्युक्त तथ्यों की जांच सुनिश्चित कर घटवार जाति को पुनः आदिम जाति में शामिल करने की कृपा करे। धन्यवाद।

HON. DEPUTY-SPEAKER:

Shri Nishikant Dubey is allowed to associate with the issue raised by Shri Ravindra Kumar Pandey.